Example 4 – Sutka 1:59

```
वया इदग्ने अग्नयस्ते अन्ये तवे विश्वे अम्ता मादयन्ते | वैश्वानर नाभिरिस किषितीनां सथूणेव जनानुपिमद ययन्थ || १ || मूर्घा दिवो नाभिरिग्न: पर्थिव्या अथाभवदरती रोदस्यो: | तं तवा देवासो.अजनयन्त देवं वैश्वानर जयोतिरिदार्याय || २ || आ सूर्ये न रश्मयो धरुवासो वैश्वानरे दिधरे.अग्ना वसूनि | या पर्वतेष्वोषधीष्वप्सु या मानुषेष्विस तस्य राजा || ३ || बर्हती इव सूनवे रोदसी गिरो होता मनुष्यो न दक्ष: | सवर्वते सत्यशुष्माय पूर्वीर्वेश्वानराय नर्तमाय यह्वी: || ४ || दिविश्वित ते बर्हतो जातवेदो वैश्वानर पर रिरिचे मिहत्वम | राजा कर्ष्टीनामिस मानुषीणां युधा देवेभ्यो विश्वश्वकर्थ || ५ || पर नू मिहत्वं वर्षभस्य वोचं यं पूरवो वर्त्रहणं सचन्ते | वैश्वानरो दस्युमिग्नर्जघन्वानधूनोत काष्ठा अव शम्बरं भेत || ६ || वैश्वानरो मिहम्ना विश्वित्रप्टर्भरद्वाजेषु यजतो विभावा | शातवनेये शितिनीभिरिग्न: पुरुणीथे जरते सून्तावान || ७ ||
```

Padapatha for sloka 4:

```
बृहतीइवेतिबृहती-इव | सूनवे | रोदसी इति | गिर: | होता | मनुष्य: | न | दक्ष: | स्व:-वते | सत्य-शुष्माय | पूवीर्: | वैश्वानराय | नृ-तमाय | यह्वी:
```

Interpretation: सत्य-शुष्म is a compound word made up of सत्य and शुष्म ("strength, vigour"). The whole word is an attribute of अगिन → "Agni, [whose] strength [is] satya"

Compatibility with the ideas of:

- Truth / real / truthfulness : No
- Trust / Trustworthiness : No
- Weight / importance / Significance : Yes \rightarrow "Agni, [whose] strength is significant"

Translations:

- 1. As the great World-halves, so are their Son's praises; skilled, as a man, to act, is he the Herald. Vaiśvānara, celestial, truly mighty, most manly One, hath many a youthful consort. Ralph T. H. Griffith, [1896]
- 2. Like the two lofty world-halves for their son [=Agni], like Manu's skill, the human Hotar (brings) hymns—many (hymns), (like) exuberant maidens—for him possessed of the sun, him whose bluster is real, for the most manly Vaiśvānara. s. W. Jamison / J. P. Brereton [2014]